शिक्षा का उत्थान   शिक्षक का सम्मान   मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

बाल कवियों द्वारा रचित कविताओं का संकलन

बाल सृजन संसार

माह - अप्रैल 2023

संकलन - बाल साहित्य टीम, मिशन शिक्षण संवाद

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ।   #9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

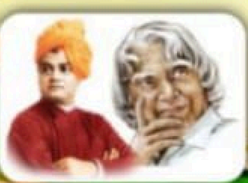

मिशन शिक्षण संवाद

बाल सृजन संसार

दिनाँक- 01-04-2023

394

दिन- शनिवार

रेलगाड़ी

रेल मुझको बहुत भाती,
दूर देश यह लेकर जाती।
इसका इन्जन छुक-छुक करता,
चलने से पहले सीटी भरता।।

डिब्बे पीछे-पीछे चलते जाते,
बहुत से यात्री बैठ जाते।
जिसकी जहाँ पर मन्जिल आती,
उसको वहाँ तक यह पहुँचाती।।

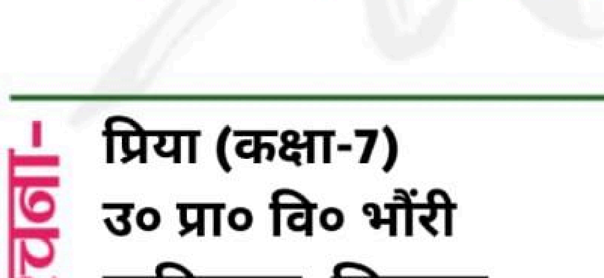

हर स्टेशन में खड़ी सवारी,
पटरी पर चलती रेलगाड़ी।
जहाँ कहीं भी हो तुमको जाना,
सबसे पहले टिकट ले आना।।

रचना-
प्रिया (कक्षा-7)
उ० प्रा० वि० भौंरी
मानिकपुर, चित्रकूट

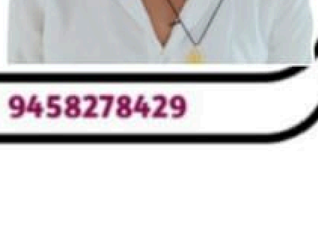

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

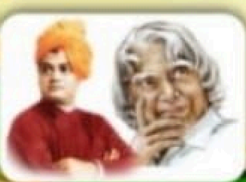

मिशन शिक्षण संवाद

बाल सृजन संसार

दिनाँक- 03/04/2023

395

दिन- सोमवार

वृक्ष लगाएँ

आओ-बच्चों! वृक्ष लगाएँ,
अपनी धरती को सुन्दर बनाएँ।
अपनी धरती को हरा-भरा बनाएँ,
आओ-बच्चों! वृक्ष लगाएँ।।

वृक्ष लगाकर फल खाएँ,
स्कूल में हम वृक्ष लगाएँ।
वृक्ष से हवा पाएँ,
वृक्ष लगाएँ, वृक्ष लगाएँ।।

आओ-बच्चों! वृक्ष लगाएँ,
वृक्ष लगाकर सब्जी खाएँ।
वृक्ष लगाकर दुनिया को सजाएँ,
आओ-बच्चों! वृक्ष लगाएँ।।

रचना-
अर्चना कुमारी (कक्षा- 4)
प्रा० वि० डेरवाँखुर्द
क्षेत्र- चहनियाँ, जनपद- चन्दौली

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

बाल सृजन संसार

दिनाँक- 04.04.2023

396

दिन- मंगलवार

गुरु जी...

गुरू जी मेरे हमको प्यारे,
ज्ञान की बातें बताते हैं।
पढ़ना-लिखना हमें सिखाते,
स्नेह सदा बरसाते हैं।।

अज्ञानता से मुक्त कराते,
उजियारे में हमको लाते।
गुरु की है महिमा निराली,
ज्ञान से ही आती खुशहाली।।

गुरु हम सबके मात-पिता हैं,
गुरु की हम सन्तान हैं।
गुरु हमारे भाग्य विधाता,
गुरु होते भगवान हैं।।

रचना
अनुज जायसवाल (कक्षा-6)
उ० प्रा० वि०- स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर

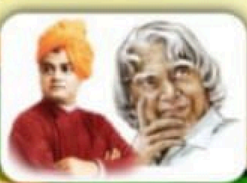

मिशन शिक्षण संवाद

बाल सृजन संसार

दिनाँक- 05-04-2023 | **397** | दिन- बुधवार

गन्ना

खेतों में लगा है गन्ना,
मीठा-मीठा होता गन्ना।
गर्मी में देता आराम,
बहुत कम हैं इसके दाम।।

गन्ने से रस हम बनाते,
बड़े आराम से सब पी जाते।
इसको हम कहते हैं ईख,
मीठा रहना यह देता सीख।।

रचना-
कंचन-(कक्षा- 8)
कम्पोजिट विद्यालय लोढ़वारा
नगर क्षेत्र कर्वी, चित्रकूट

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

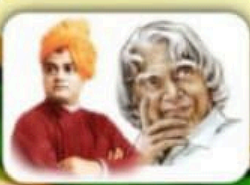

मिशन शिक्षण संवाद

बाल सृजन संसार

दिनाँक-06-04-2022 **398** दिन- गुरुवार

मेरा भारत

मेरा भारत देश अनौखा,
सारे जग से न्यारा है।
यहाँ सभी ने आकर देखा,
अनुपमा यहाँ नजारा है।।

स्वर्ग से सुन्दर, सपनों से प्यारा,
इसकी महिमा गाते सब।
राम-कृष्ण, नानक, कबीर,
रैदास, फरीद को पढते जब।।

गर्व हमें होता है इस पर,
इसके जैसा कोई कहाँ।
गंगा, यमुना और सरस्वती,
का संगम है पवित्र यहाँ।।

कीरत विमल पताका फैली,
यहाँ के गाँव निराले हैं।
नर-नारी सब मिलकर रहते,
वतन के सब रखवाले हैं।।

रचना
अंशुल (कक्षा-5)
प्रा० वि०- बम्हौरी,
ब्लॉक- मऊरानीपुर
जनपद- झाँसी (उ०प्र०)

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

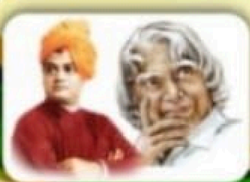

मिशन शिक्षण संवाद

बाल सृजन संसार

दिनाँक-07/04/2023

399

दिन- शुक्रवार

जाड़ा, गर्मी और बरसात

जाड़ा आया, जाड़ा आया,
बहुत ठण्डा यह लाया।
जाड़ा आया, जाड़ा आया,
जाड़ा है स्वेटर पहनाया।

गर्मी आयी, गर्मी आयी,
हम सब खायें बर्फ मलाई।
गर्मी आयी, गर्मी आयी,
गर्मी है हम लोगों को सताई।।

बरसात आयी, बरसात आयी,
छम-छम पानी बरस के आयी।
बरसात आयी, बरसात आयी,
पैर के नीचे कीचड़ लायी।।

रचना-
नेहा कुमारी (कक्षा- 5)
प्रा० वि० डेरवाँखुर्द
क्षेत्र- चहनियाँ, जनपद- चन्दौली

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

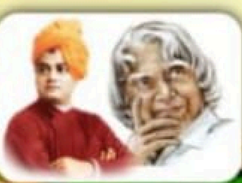

मिशन शिक्षण संवाद
बाल सृजन संसार

दिनाँक- 08.04.2023 | 400 | दिन- शनिवार

धरती हमारी...

खतरे में है धरा हमारी,
मिलकर हमें बचाना है।
ज्यादा-ज्यादा पेड़ लगाकर,
पर्यावरण बचाना है।।

पेड़ हमें ऑक्सीजन देते,
फल, स जी और छाया देते।
पेड़ों पर हैं पक्षी रहते,
इन पेड़ों को बचाना है।।

धरती पर हरियाली आये,
पग-पग वृक्ष लगाना है।
पानी, हवा, हैं जीवनदायी,
मिलकर इन्हें बचाना है।।

रचना
महेन्द्र यादव (कक्षा- 8)
उ० प्रा० वि०- स्योढ़ा
वि० क्षे०- बिसवाँ
जनपद- सीतापुर

बाल सृजन संसार

दिनाँक- 10-4-2023 | 401 | दिन- सोमवार

मेरी नानी

मेरी नानी जब भी आती,
मुझे एक खिलौना लाती।
उसे देख मैं खुश हो जाता,
सारे दोस्तों को दिखाता।।

दूर गाँव से नानी आती,
मुझे रोज कहानी सुनाती।
लड्डू मीठे-मीठे बनाती,
फिर प्यार से मुझे खिलाती।।

जब मैं नानी के घर जाता,
बड़ा मजा मुझे है आता।
रोज शाम खेतों में जाता।
ताजी सब्जी तोड़कर लाता।।

रचना-
सचिन कुमार (कक्षा-8)
उ० प्रा० वि० भौंरी
मानिकपुर, चित्रकूट

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण
मिशन शिक्षण संवाद
बाल सृजन संसार

दिनाँक-11/04/2023 402 दिन- मंगलवार

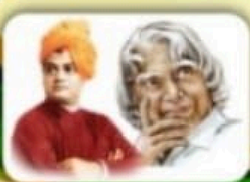

हलवा

हलवा में चीनी डलाता है,
हलवा सूजी का बनता है।
हलवा खाने में अच्छा लगता है,
हलवा में गरी-किशमिश डलाता है।।

हलवा में चीनी डलाता है,
हलवा सूजी का बनता है।
हलवा खाने में अच्छा लगता है,
हलवा में गरी-किशमिश डलाता है।।

रचना-
आदर्श कुमार (कक्षा- 5)
प्रा० वि० डेरवाँखुर्द
क्षेत्र- चहनियाँ, जनपद- चन्दौली

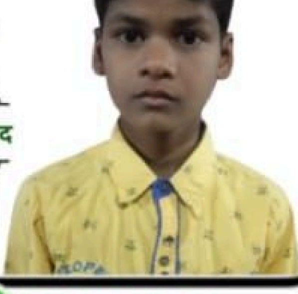

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

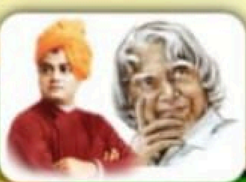

बाल सृजन संसार

दिनाँक- 12.04.2023 | 403 | दिन- बुधवार

चूहा....

चूँ -चूँ, चूँ -चूँ करता चूहा,
बिल्ली से है डरता चूहा।
कितनी दौड़ लगाता चूहा!
कपड़े खूब कुतरता चूहा।।

शाकाहारी होता चूहा,
लड्डू खूब है खाता चूहा।
श्री गणेश जी की है सवारी,
लगती उनको कितनी प्यारी!

सबके घर में रहता है,
भागा-दौड़ी करता है।
करता सबके घर में चोरी,
इसके पीछे बिल्ली दौड़ी।।

रचना

कल्पना (कक्षा 6)
उ० प्रा० वि०- स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर

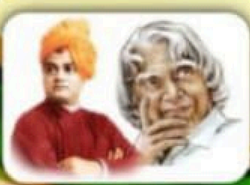

बाल सृजन संसार

दिनाँक- 13-04-2023

404

दिन- गुरुवार

जल ही जीवन है

जल जीवन का आधार है,
नहीं बिना इसके जीवन संसार है।।

चाहे नहाओ, खाना खाओ,
या कपड़े धोना हो तुमको।।
या फिर खाना बनना घर में,
शुद्ध प्रयोग जल करना हमको।।

जल अशुद्ध तो फैले इससे,
रोगों का अंबार है।
जल जीवन का आधार है,
नहीं बिना इसके जीवन संसार है।।

वृक्ष लगाओ वर्षा होवे,
लकड़ी, घनी छाँव पाओ।
धरती कभी गर्म न होगी,
यही सभी को सिखलाओ।।

क्लोरोलीन, फिटकरी मिलाकर,
करो रोज शोधन इसका।
बरसातों में रोज उबालो,
फिर पीना न डर इसका।।

जल से थल और जल से हम हैं,
जल, जंगल हमरे उपहार हैं।
जल जीवन का आधार है,
नहीं बिना इसके जीवन संसार है।।

रचना
पारुल नायक (कक्षा-6)
उच्च प्रा० वि० बम्हौरी
ब्लॉक- मऊरानीपुर
जनपद- झाँसी (उ०प्र०)

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

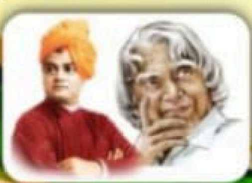

बाल सृजन संसार

दिनाँक- 14-04-2023 **405** दिन- शुक्रवार

बिल्ली रानी

बिल्ली बोली म्याऊँ-म्याऊँ,
तुम्हारे संग मैं भी आऊँ।
अकेला घर मुझको न भाता,
मुझे छोड़ सब कोई जाता।।

बच्चों के संग मैं भी खेलूँ,
कभी गेंद तुम्हारा ले लूँ।
किसी को न डराऊँगी,
सबको प्यार दिखाऊँगी।।

रचना-
रूपा (कक्षा-6)
कम्पोजिट विद्यालय लोढ़वारा
नगर क्षेत्र कर्वी, चित्रकूट

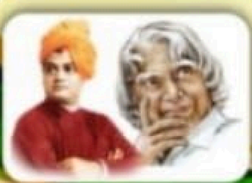

बाल सृजन संसार

दिनाँक-15/04/2023 **406** दिन- शनिवार

देश

कितना प्यारा देश मेरा,
कितना न्यारा देश मेरा।
फूलों जैसा देश मेरा,
देश मेरा, देश मेरा।।

देश की रक्षा करेंगे हम,
देश के लिए मरेंगे हम।
देश के लिए लड़ेंगे हम,
देश के लिए कुछ भी करेंगे हम।।

कितना सुन्दर देश मेरा,
हरा-भरा देश मेरा।
आर्मी लड़ते देश के लिए,
हम भी लड़ेंगे देश के लिए।।

रचना-
अर्चना कुमारी (कक्षा- 4)
प्रा० वि० डेरवाँखुर्द
क्षेत्र- चहनियाँ, जनपद- चन्दौली

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

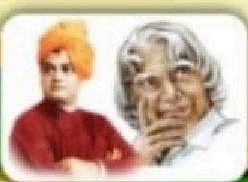

मिशन शिक्षण संवाद

बाल सृजन संसार

दिनाँक- 17/04/2023

407

दिन- सोमवार

बचपन

बचपन का जमाना है,
खुशियों का खजाना है।
बाल दिवस अब आया है,
बचपन की यादें लाया है।।

आज तो नहीं मिलेगी सजा,
आज हम सिर्फ करेंगे मजा।
बड़े होने पर होता है दुःख,
क्योंकि बचपन का छिन जाता है सुख।।

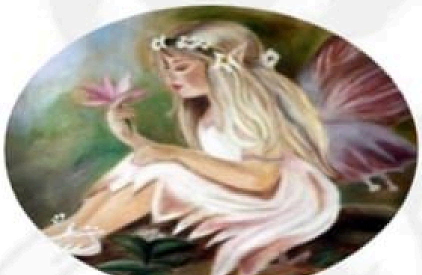

आज जी भर के मचायेंगे धूम,
नाँचेंगे-गायेंगे झूम-झूम।।

रचना-
रोली शर्मा (पूर्व छात्रा)
प्रा० वि० डेरवाँखुर्द
क्षेत्र- चहनियाँ, जनपद- चन्दौली

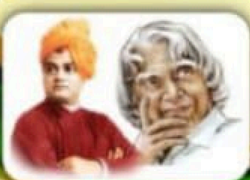

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण
मिशन शिक्षण संवाद
बाल सृजन संसार

दिनाँक- 18-04-2023
408
दिन- मंगलवार

परिश्रम का फल

एक बार एक कौआ प्यासा,
निकला जल की खोज में।
नहीं मिला जल रहा ढूँढता,
रहा बहुत वह सोच में।।

कैसे पाऊँ जल अब मेरी,
प्यास मिटे मैं बच जाऊँ।
कहीं प्यास से तड़प-तड़पके,
मैं न कहीं यों मर जाऊँ।।

इधर-उधर घूमा वह जंगल,
बस्ती अरु मैदानों में।
नदी, कुआं, गलियाँ सब देखी,
फिर वह गया खदानों में।।

नहीं मिला जल हो निराश वह,
अपने घर को लौट चला।
देखा तभी धरा पर नीचे,
पड़ा हुआ था एक घड़ा।।

नीचे आकर उसने देखा,
घड़े में था थोड़ा पानी।
इधर-उधर से कंकड़ लाकर,
डाल घड़े में हैरानी।।

कंकड़ नीचे गये घड़े का,
तब पानी ऊपर आया।
प्यास बुझाकर उसने तत्क्षण,
मेहनत का यों फल पाया।।

रचना
राजबहादुर (कक्षा-6)
उच्च प्रा० वि० बम्हौरी
ब्लॉक- मऊरानीपुर
जनपद- झाँसी (उ०प्र०)

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

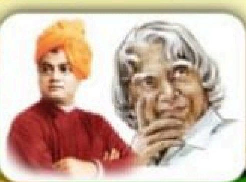

मिशन शिक्षण संवाद

बाल सृजन संसार

दिनाँक- 19-04-2023

409

दिन- बुधवार

गर्मी...

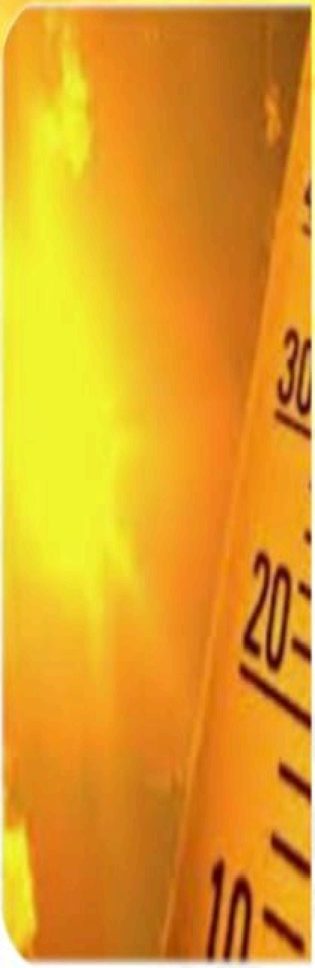

गर्मी बड़ी अखरती है,
गरम-गरम लू चलती है।
पेड़ की छाया अच्छी लगती,
सड़क आग से तपती है।।

ककड़ी, खीरा और तरबूज,
इनको भैया खाओ खूब।
नींबू-जल अच्छा लगता है,
अच्छा लगे, गन्ने का जूस।।

तेज धूप में सर ढककर,
निकलो बाहर जरा सँभल कर।
छाता-वाता लेकर चलना,
इस गर्मी से बचकर रहना।।

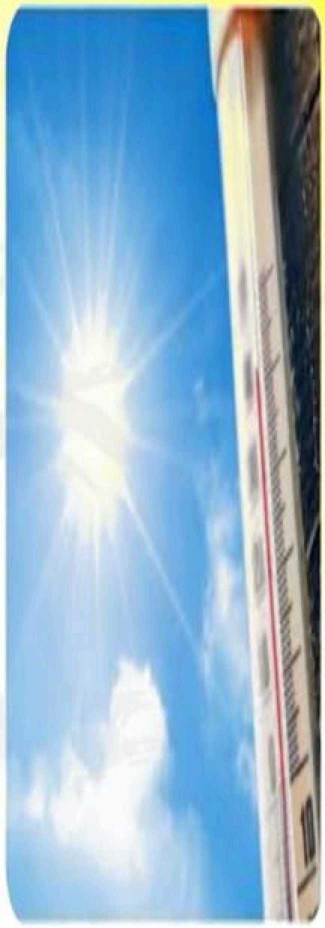

रचना-
सुहानी गौतम (पूर्व छात्रा)
उ० प्रा० वि० चित्रवार
क्षेत्र- मऊ जनपद- चित्रकूट

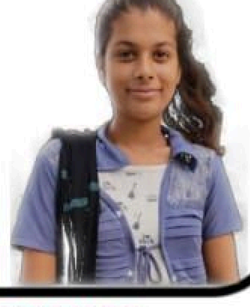

दादा जी की छड़ी

यह दादा जी की छड़ी है,
यह लकड़ी की बनी है।
दादा जी के यह काम आएं,
छड़ी पकड़ घूमने जाएँ।।

दादा जी जब बाहर जाते,
छड़ी को अपने संग ले जाते।
जब हम उनको करते परेशान,
दादा कहते हट शैतान।।

रचना-
रानी (कक्षा-8)
कम्पोजिट विद्यालय लोढ़वारा
नगर क्षेत्र कर्वी, चित्रकूट

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

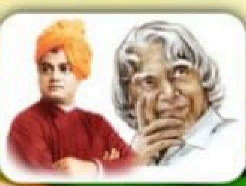

मिशन शिक्षण संवाद

बाल सृजन संसार

दिनाँक- 24-04-2023

411

दिन- शुक्रवार

उड़ते पक्षी..

आसमान में उड़ते पक्षी,
कितने अच्छे लगते हैं।
खूब ऊँचाई पर जाकर के,
मेघ से बातें करते हैं।।

आसमान में बिखरे रंग,
जब पक्षी उड़ते हैं संग।
प्यारी इनकी है आवाज़,
ये प्रकृति के हैं सरताज।।

इनका करना है संरक्षण,
रहे सुरक्षित पर्यावरण।
छत पे रक्खो दाना-पानी,
इनसे प्रकृति बने सुहानी।।

रचना-
नित्या त्रिपाठी (पूर्व छात्रा)
उ० प्रा० वि० चित्रवार
क्षेत्र- मऊ जनपद- चित्रकूट

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

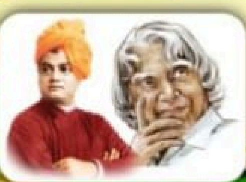

मिशन शिक्षण संवाद

बाल सृजन संसार

दिनाँक- 22-04-2023 **412** दिन- शनिवार

वर्षा ऋतु आई...

कभी-कभी हो जाती धूप,
कभी बरसता जोर से पानी।
कभी-कभी बादल छा जाते,
कभी बरसता टिप-टिप पानी।।

सूरज आँख-मिचौली खेले,
सरर-सरर वायु चलती है।
बादल दादा हैं गुस्से में,
बिजली चमक-चमक कहती है।।

टर्र-टर्र मेढ़क करते हैं,
पोखर और तालाबों में,
कोयल और पपीहा बोलें,
मोर नाचता बागों में।।

लगता है वर्षा ऋतु आई,
फैल गयी है हरियाली।
धरती ओढ़े हरी चुनरिया।
चारों तरफ है खुशहाली।।

रचना-
श्वेता मिश्रा (कक्षा-8)
उ० प्रा० वि० चित्रवार
क्षेत्र- मऊ जनपद- चित्रकूट

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

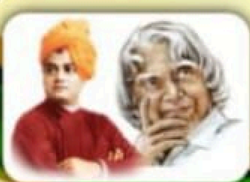

बाल सृजन संसार

दिनाँक- 24.04.2023 **413** दिन- सोमवार

कबूतर...

पक्षी कबूतर होता न्यारा,
रंग सफेद है, लगता प्यारा।
खेत-छतों पर आता कबूतर,
डाकिया पक्षी कहलाता कबूतर।।

गुटर-गूँ करता रहता है,
सबके पास न जाता है।
संस्कृति की है देन कबूतर,
खाता दाना बीन कबूतर।।

अपनी धुन में उड़ता रहता,
लेकिन शिकारियों से डरता।
नहीं जाल में इसे फँसाना,
कबूतर को दाना खिलाना।।

रचना
अनुज जायसवाल (कक्षा-7)
उ० प्रा० वि०- स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण
मिशन शिक्षण संवाद
बाल सृजन संसार
दिनाँक- 25-4-2023 414 दिन- मंगलवार

प्रकृति

यह प्रकृति निराली है,
इसके होंठों में लाली है।
यह कितनी सुहावन है,
यह कितनी मनभावन है।।

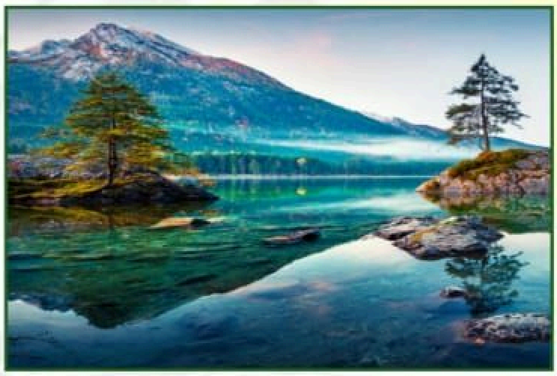

जब होती है हरियाली,
होती है तब खुशहाली।
यह सतरंगी वाली है,
यह प्रकृति निराली है।।

इसके होंठों में लाली है,
सबको सुख देने वाली है।
चली पवन मतवाली है,
यह प्रकृति निराली है।।

रचना-
बेबी (कक्षा-6)
उ०प्रा० वि० सरैंया भाग-1,
मानिकपुर, चित्रकूट

पानी बरसा

पानी बरसा झम-झम-झम,
बच्चे नाचे छम-छम-छम।
कितना सुन्दर यह मौसम,
कितना प्यारा यह मौसम।।

पानी में हम-सब नहाते हैं,
खूब मजे उड़ाते हैं।
छाता लेकर निकले हम,
बरसात में नहाते हम।।

रचना-
अर्चना कुमारी (कक्षा- 4)
प्रा० वि० डेरवाँखुर्द
क्षेत्र- चहनियाँ, जनपद- चन्दौली

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

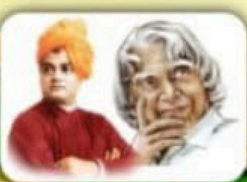

बाल सृजन संसार

दिनाँक- 27-04-2022

416

दिन- गुरुवार

गर्मी आई

बच्चों मेरे गर्मी आई,
पर पढाई भी करना है।
हुई परीक्षा अब हम सबको,
अगली कक्षा में रहना है।।

निपुण लक्ष्य को प्राप्त किया है,
गुरु ने हमें पढ़ाया जो,
आत्मसात उर में कर उसको,
आगे कदम बढ़ाया है।।

अब अगली कक्षा में भी हम,
यों ही बढते जायेंगे।
कभी हटेंगे न हम पीछे,
आगे कदम बढ़ायेंगे।।

जीवन में हम जो भी सोचें,
उसे प्राप्त कर लेना दम।
वरना हम पर सभी हँसेंगे,
ये दुनिया है, हैं यदि हम।।

रचना

कौशकी गुप्ता (कक्षा-5)
प्रा० वि० बम्हौरी
ब्लॉक- मऊरानीपुर
जनपद- झाँसी

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

बाल सृजन संसार

दिनाँक- 28.04.2023

417

दिन- शुक्रवार

मोर...

कितना प्यारा पक्षी मोर,
सुन्दर लगता, न्यारा मोर।
जंगल में मचाता शोर,
सबका मन बहलाता मोर।।

राष्ट्रीय पक्षी ये कहलाता,
झूम-झूमकर नाच दिखाता।
पीहू-पीहू बोली होती,
सिर पर सुन्दर कलगी सजती।।

जंगल में है विचरण करता,
साँपों को खा जाता है।
अंग्रेजी में Peacock कहते,
संस्कृत में मयूरः कहलाता है ।।

रचना
प्रतिभा गुप्ता (कक्षा-7)
उ० प्रा० वि०- स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

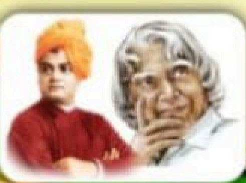

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

बाल सृजन संसार

दिनाँक- 29-4-2023 | **418** | दिन- शनिवार

प्यारे बादल

प्यारे-प्यारे उड़ते बादल,
नीले-नीले होते बादल।
आसमान में मौज हैं करते,
दुनिया भर की सैर हैं करते।।

घुमड़-घुमड़ के बरसे बादल,
काले-काले उड़ते बादल।
पशु-पक्षी सब डर जाते,
जब गरजते काले बादल।।

जोर-जोर से बरसे बादल,
धरती ओढ़े पानी की चादर।
प्यारे-प्यारे उड़ते बादल,
नीले, काले प्यारे बादल।।

रचना-
श्रद्धा (कक्षा-6)
उ०प्रा० वि० सरैंया भाग-1,
मानिकपुर, चित्रकूट